विधान सभा सचिवालय

उत्तर प्रदेश

(संसदीय अनुभाग)

संख्या : 151/वि0स0/संसदीय/06(सं)/2024

प्रेषक,

प्रदीप कुमार दुबे,
प्रमुख सचिव।

सेवा में,

माननीय सदस्यगण,
विधान सभा, उत्तर प्रदेश।

विधान भवन, लखनऊ।
दिनांक : 03 फरवरी, 2024

महोदय/महोदया,

उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन नियमावली, 2023 के नियम-86 के अनुसार मुझे आपको यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि माननीय मुख्य मंत्री द्वारा उत्तर प्रदेश विधान सभा में निम्नलिखित संकल्प प्रस्तुत किये जाने की सूचना इस सचिवालय में दिनांक 02 फरवरी, 2024 को प्राप्त हुई है :-

संकल्प

''सरयू नदी के तट पर बसा अयोध्या उत्तर प्रदेश राज्य का एक अति प्राचीन धार्मिक नगर है। हिन्दुओं के प्राचीन और सात पवित्र स्थलों में श्रीराम की जन्म-भूमि अयोध्या भी सम्मिलित है। हिन्दुओं के सात पवित्र एवं मोक्षदायी स्थान अयोध्या, मथुरा, हरिद्वार, काशी, काञ्चीपुरम्, उज्जैन और द्वारका हैं।

अथर्ववेद में अयोध्या को ईश्वर का नगर बताया गया है और इसकी सम्पन्नता की तुलना स्वर्ग से की गई है। रामायण के अनुसार अयोध्या की स्थापना मनु ने की थी। कई शताब्दियों तक यह नगर सूर्यवंश की राजधानी रहा। अयोध्या एक तीर्थ स्थान है और मूल रूप से मन्दिरों का शहर है। यहां आज भी हिन्दू, बौद्ध और जैन धर्म से जुड़े अवशेष देखे जा सकते हैं। जैन मत के अनुसार यहां आदिनाथ सहित पांच तीर्थंकरों का जन्म हुआ था।

अयोध्या पुण्यनगरी है। अयोध्या और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का अटूट सम्बन्ध है। अयोध्या श्रीरामचन्द्रजी की जन्म-भूमि होने के कारण भारत के प्राचीन साहित्य व इतिहास में सदा से प्रसिद्ध रही है। अयोध्या की महत्ता के बारे में जनसाधारण में कहावत प्रचलित है कि ''गंगा बड़ी गोदावरी, तीरथ बड़ो प्रयाग, सबसे बड़ी अयोध्यानगरी, जहां राम लियो अवतार।''

वर्तमान अयोध्या के प्राचीन मन्दिरों में सीतारसोई तथा हनुमानगढ़ी मुख्य है। कुछ मन्दिर 18वीं तथा 19वीं शताब्दी में बने, जिनमें कनकभवन, नागेश्वरनाथ तथा दर्शनसिंह मन्दिर दर्शनीय है। कुछ जैन मन्दिर भी हैं। यहां पर लगने वाले मेलों के अवसर पर वर्षभर लाखों तीर्थयात्री देश-विदेश से आते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अयोध्या में सूर्यवंशी/रघुवंशी राजाओं का राज हुआ करता था, जिसमें भगवान श्रीराम ने अवतार लिया था। बौद्ध ग्रन्थों के अनुसार अयोध्या पूर्ववर्ती तथा साकेत परवर्ती राजधानी थी।

महर्षि वाल्मीकि संस्कृत भाषा के आदि कवि एवं भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित आदि महाकाव्य ''रामायण'' के रचयिता के रूप में प्रसिद्ध हैं। रामायण एक महाकाव्य है, जो श्रीराम के जीवन के माध्यम से हमें जीवन के सत्य व कर्तव्य से परिचित करवाता है। अपने महाकाव्य ''रामायण'' में

उन्होंने अनेक घटनाओं के समय सूर्य, चन्द्र तथा अन्य नक्षत्रों की स्थिति का वर्णन किया है। इससे ज्ञात होता है कि वे ज्योतिष विद्या एवं खगोल विद्या के भी प्रकाण्ड ज्ञानी थे। वनवास काल के दौरान भगवान ''श्रीराम'' महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में भी गये थे। सीता जी ने अपने वनवास का अन्तिम काल इनके आश्रम पर व्यतीत किया तथा वहीं पर लव और कुश का जन्म हुआ।

अयोध्या में पूर्व से निर्मित हवाई पट्टी को बड़े वायुयानों हेतु एअरपोर्ट के रूप में विकसित कर इसका लोकार्पण दिनांक 30 दिसम्बर, 2023 को किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश विधान सभा के दिनांक 23 फरवरी, 2021 के उपवेशन में इस आशय का संकल्प पारित किया गया था कि भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में स्थित एअरपोर्ट का नाम ''मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या'' किया जाय।

जिलाधिकारी, अयोध्या को जनपद अयोध्या के साधु-संतगण, माननीय जनप्रतिनिधिगण एवं आम-जनमानस से विचार-विमर्श करने पर उनके द्वारा अयोध्या हवाई अड्डे का नाम ''महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या'' किये जाने का सुझाव प्राप्त हुआ है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा के दिनांक 23 फरवरी, 2021 को पारित संकल्प के स्थान पर आज दिनांक 07 फरवरी, 2024 को इस आशय का संकल्प लेती है कि भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में स्थित एअरपोर्ट का नाम ''महर्षि वाल्मीकि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, अयोध्या धाम'', कर दिया जाय।

2-इस सम्बन्ध में मुझे आपको यह भी सूचित करने का निदेश हुआ है कि उक्त संकल्प से सम्बन्धित मद को विधान सभा की दिनांक 07 फरवरी, 2024 के उपवेशन की कार्य-सूची में सम्मिलित की जायेगी।

भवदीय,

प्रदीप कुमार दुबे,

प्रमुख सचिव।

संख्या : 151/वि0स0/संसदीय/06(सं)/2024, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित :-

1-मा0 मुख्य मंत्री जी के निजी सचिव को मा0 मुख्य मंत्री की सूचनार्थ,

2-मा0 संसदीय कार्य मंत्री जी के निजी सचिव को मा0 मंत्री की सूचनार्थ,

3-मा0 नागरिक उड्डयन मंत्री जी के निजी सचिव को मा0 मंत्री की सूचनार्थ,

4-अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, नागरिक उड्डयन विभाग,

5-नागरिक उड्डयन अनुभाग एवं विधायी अनुभाग-1 को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

अजीत कुमार शर्मा,

संयुक्त सचिव।

पी0एस0यू0पी0-एल0-242 विधान सभा (400)-03-02-2024-600 प्रतियां (कम्प्यूटर)।